>

Title: Issue regarding crop damage caused by monkeys in Himachal Pradesh.

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर, हि.प्र.): आदरणीय सभापति महोदय, मैं आपकी अनुमति चाहता हूं कि मैं इस स्थान से बोलूं। यहां से बोलने के लिए आपकी अनुमति चाहिए।

सभापति महोदय : ठीक है।

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: You have made your point. Thank you.

श्री अनुराग सिंह ठाकुर : सभापति महोदय, आपने शून्य काल में बोलने का मौका दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

महोदय, मैं एक पहाड़ी क्षेत्र हिमाचल प्रदेश से आता हूं जहां पर किसानों के पास बहुत छोटी-छोटी ज़मीनें हैं।

आज देश में लगभग ढाई लाख किसानों ने पिछले नौ वर्षों में आत्महत्याएं की हैं। छोटा और पहाड़ी राज्य होने के नाते यहां पर बहुत छोटी-छोटी जमीनें किसानों की हैं। पिछले कुछ वर्षों से वहां पर बंदरों का आतंक एक बहुत गंभीर समस्या बन गई है। वहां पर अधिकतर किसानों ने खेतीबाड़ी करनी छोड़ दी है। हमने कई बार केन्द्र की सरकार को लिख कर दिया, कि वाइल्डलाइफ एक्ट में बदलाव लाया जाए और जो मनरेगा की स्कीम है, उसके अंतर्गत भी वहां के किसानों का प्रावधान किया जाए, जिससे वे अपने खेतों की रक्षा कर सकें।

केन्द्र की सरकार ने एक बार भी कोई उचित कदम नहीं उठाया। आज यह हालत हो गई है कि बड़ी तादाद में बंदर एक साथ आते हैं, लोगों के ऊपर हमला करते हैं। लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो गया है। यहां तक कि खेतों में खेती करनी तो बिलकुल छोड़ दी है। ये केवल एक विषय नहीं है, ऐसे कई विषय केन्द्र सरकार के पास लम्बित हैं, जहां पर हिमाचल प्रदेश का गरीब किसान और आम आदमी मर रहा है, पिछड़ रहा है।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से केन्द्र की सरकार से पूछना चाहूंगा, क्या केवल छोटा राज्य होने के नाते, पहाड़ी राज्य होने के नाते हमारी अनदेखी की जाती है? चाहे रेलवे की बात हो, उसमें भी 64 वर्षों में केवल 40 किलोमीटर रेलवे लाइन बन पाई। हमारी सड़कों के रख-रखाव के लिए कोई पैसा नहीं मिल पाता है। सेना में भर्ती करने के लिए आप जनसंख्या के आधार पर उनको कहते हैं।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से विषय पर वापस आकर केवल इतना कहना चाहता हूं कि अनदेखी हर विषय के साथ-साथ किसानों की भी हो रही है। बंदरों की समस्या एक बहुत बड़ी समस्या बन गई है। वाइल्डलाइफ एक्ट में बदलाव करना चाहिए और मनरेगा में प्रावधान करना चाहिए, ताकि लोग खेती कर सकें तथा देश को और अनाज दे सकें। अपना जीवन बसर कर सकें।

सभापति महोदय : मेरा माननीय सदस्यों से कहना है कि जीरो ऑवर में जो विषय आप उठाते हैं, उस विषय में केवल एक प्रश्न का समावेश होना चाहिए। यह नहीं होना चाहिए कि आप जीरो ऑवर में एक विषय से कई विषयों का जब समावेश करते हैं तो आपका वह विषय डाइल्यूट भी होता है, इसलिए मैं अनुरोध करूंगा कि जिस पर आपका फोकस है, जीरो ऑवर के लिए जो विषय आपने दिया है, उसी को उठाएं।